CATV & DTH MARKET OVERVIEW

This report provides an overview of the growth & performance of Cable, Satellite, DTH & Broadcast sector.

SATELLITE TV CHANNELS

A total of 918 private satellite TV Channels have been permitted by the Ministry of Information and Broadcasting (MIB) for uplinking only/ downlinking only/ both uplinking and downlinking, as on 31st January, 2020. The quarter-wise figures of the total number of TV channels is depicted in the chart-1.

As per the reporting to TRAI done by broadcasters in pursuance of the Tariff Order (Broadcasting & Cable) dated 3rd March 2017, there are 332 pay channels as on 31st December, 2019, which include 234 SD (Standard Definition) Pay TV channels and 98 HD (High Definition) Pay TV channels.

PAY TV CHANNELS

Telecom Regulatory Authority of India

KEY PARAMETERS - BROADCASTING & CABLE TV SERVICES

S. No.	Parameter	QE Sep-19	QE Dec-19
1	Number of Private satellite TV channels permitted by the Ministry of Information and Broadcasting (MIB) for uplinking only/ downlinking / uplinking	910	918
2	Number of Pay TV Channels as reported by broadcasters	330	332
3	Number of pay DTH Operators	4	4

Chart-1; Quarterly growth in number of Satellite TV channels (FTA & Pay) registered with Ministry of I&B

सीएटीवी और डीटीएच बाजार का अवलोकन

यह रिपोर्ट केवल, सैटेलाइट, डीटीएच व प्रसारण क्षेत्र के विकास और प्रदर्शन का अवलोकन प्रदान करती है।

सैटेलाइट टीवी चैनल

सूचना व प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा **918** निजी सैटेलाइट टीवी चैनलों को **31** जनवरी **2020** तक सिर्फ अपलिंकिंग /सिर्फ डाउनलिंकिंग / अपलिंकिंग व डाउनलिंकिंग दोनों के लिए अनुमति दी गयी थी। चार्ट–**1** में दर्शाये गये कुल टीवी चैनलों की संख्या का तिमाही वार आंकड़ा है।

दिनांक **3** मार्च **2017** को टैरिफ आर्डर (ब्रॉडकास्टिंग एंड केबल) के अनुसरण में प्रसारक द्वारा ट्राई को की गयी रिर्पोटिंग के अनुसार **31** दिसंबर **2019** तक **332** पे चैनल थे, जिसमें **234** एसडी (स्टैंडर्ड डेफिनिशन) पे टीवी चैनल और **98** एचडी (हाई डेफिनिशन) पे टीवी चैनल शामिल थे।

पे टीवी चैनल

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने मार्च **2017** में प्रसारण और केबल सेवाओं के लिए नये नियामक ढ़ांचे को

(TRAI), in March, 2017, notified the new regulatory framework for Broadcasting and Cable services. The framework comprises Tariff Order 2017, Interconnection Regulations 2017 and Quality of Service & Consumer Protection Regulations 2017. The framework was duly notified vide press release no.71/2018 dated 3rd July 2018 with revised timelines for implementation. All the timelines prescribed in the above-mentioned framework commenced from 3rd July 2018. The new regulatory framework came into effect on 29th December, 2018.

As per the Telecommunication (Broadcasting and Cable) Services (Eighth) (Addressable Systems) Tariff Order, 2017 dated 3rd March 2017, every broadcaster has to offer all its channels on an a-la-carte basis to all distributors of television channels and declare the maximum retail price, per month, payable by a subscriber for each of its pay channels offered on an a-lacarte basis. Further, it is also permissible for a broadcaster to offer its pay channels in the form of bouquets and declare the maximum retail price, per month, of such bouquets payable by a subscriber.

As per the reporting done by broadcasters, in pursuance of the Tariff Order dated 3rd March 2017, there are 332 pay channels as on 31st December 2019 which include 234 SD Pay TV channels and 98 HD Pay TV channels. A list of the Maximum Retail Prices (MRP) of pay channels offered by broadcasters to subscribers as reported to TRAI.

CABLE TV SECTOR

The country has achieved 100% digitization of Cable TV network. This is a stupendous achievement making India as the only large country where 100% digital cable has been achieved through mandatory regulations.

Chart-2: Quarterly Growth in number of Satellite Pay TV Channels in India

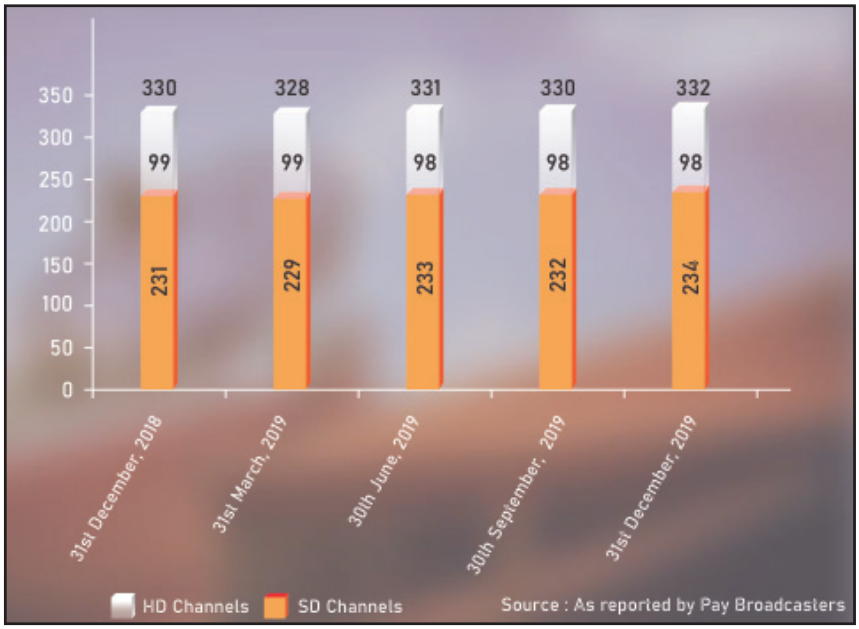

अधिसूचित किया। फ्रेमवर्क में टैरिफ ऑर्डर **2017**, इंटरकनेक्शन अधिनियम **2017** और क्वालिटी ऑफ सर्विस एंड कंज्यूमर प्रोटेक्शन रेग्यूलेशन **2017** शामिल था। कार्यान्वयन के लिए संशोधित समयसीमा के साथ फ्रेमवर्क को दिनांक **3** जुलाई **2018** को प्रेस विज्ञप्ति नंबर **71/2018** की सहायता से विधिवत अधिसूचित किया गया था। उपयुक्त रूपरेखा में निर्धारित सभी समय सीमायें **3** जुलाई **2018** से शुरू हो रही है। नया नियामक ढ़ांचा **29** दिसंबर **2018** को लागू हो गया।

दिनांक **3** मार्च **2017** के टेलीकम्युनिकेशन्स (ब्रॉडकास्टिंग एंड केबल) सर्विसेज (आठवीं) (एड्रेसेबल सिस्टम) टैरिफ ऑर्डर **2017** के अनुसार प्रत्येक प्रसारक को अपने सभी चैनलों को ए-लॉ-कार्टे के आधार पर टेलीविजन चैनलों के सभी वितरकों को पेश करना और प्रतिमाह अधिकतम खुदरा मूल्य घोषित करना होगा, जो प्रत्येक ग्राहक को उसके लॉ-कार्टे के आधार पर पेश किये गये प्रत्येक पे चैनल के लिए देय होगा। इसके अलावा, एक प्रसारक को यह भी अनुमति होगी कि वह अपने चैनलों को बुके के रूप में पेश करे और एक सब्सक्राइवर द्वारा देय इस तरह के बुके का प्रतिमाह अधिकतम खुदरा मूल्य घोषित करे।

3 मार्च **2017** को टैरिफ ऑर्डर के अनुसरण में प्रसारको द्वारा की गयी रिर्पोटिंग के अनुसार **3** दिसंबर **2019** तक **332** पे चैनल हैं, जिसमें **234** एसडी पे टीवी चैनल और **98** एचडी पे टीवी चैनल शामिल हैं। ट्राई को सूचित किये गये ग्राहकों के लिए प्रसारकों द्वारा पेश किये गये पे चैनलों के लिए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) की सूची है।

केबल टीवी क्षेत्र

देश ने केबल टीवी नेटवर्क का **100%** डिजिटलीकरण किया है। यह भारत को एकमात्र बड़ा देश बनाने की एक शानदार उपलब्धि है जहां अनिवार्य नियमों के माध्यम से **100%** डिजिटल केबल प्राप्त किया गया है।

As on 31st December 2019, there are 1613 MSOs registered with the Ministry of Information & Broadcasting (MIB). Further, as per the data reported by MSOs / HITS operators, there are 13 MSOs & 1 HITS operator who have a subscriber base of more than one million. Details of the total active subscribers of these 13 MSOs and 1 HITS operator are given in the following table.

SUBSCRIBER BASE OF MAJOR MSOS/HITS OPERATORS AT THE END OF DECEMBER, 2019 (MORE THAN ONE MILLION SUBSCRIBERS)

Sl. No.	Name of the MSO	Total Active Subscriber Base (includes subscribers who have been inactive or temporarily suspended for not more than last 90 days)
1.	Siti Networks	9,211,351
2.	GTPL Hathway	7,554,713
3.	Hathway Digital	5,256,930
4.	Den Networks	4,175,528
5.	Tamil Nadu Arasu Cable TV	2,878,911
6.	Kerala Communicators Cable Ltd (KCCL)	2,731,885
7.	Fastway Transmissions Pvt Ltd	2,441,575
8.	TCCL	2,426,267
9.	IndusInd Media and Communication Ltd (HITS)	1,940,496
10.	KAL Cables	1,907,901
11.	VK Digital	1,499,548
12.	IndusInd Media and Communication Ltd (CATV)	1,431,079
13.	Asianet Digital Network	1,328,564
14.	E-Digital	1,217,643

DIRECT-TO-HOME (DTH) SECTOR

Since its introduction in the year 2003, Indian DTH service has displayed a phenomenal growth. During the quarter ending 31st December, 2019, there were 4 pay DTH service providers in India.

Pay DTH has attained a total active subscriber base of around 69.98 million at the end of December, 2019. This is

31 दिसंबर 2019 तक, सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआई बी) के साथ पंजीकृत 1636 मल्टी सिस्टम ऑपरेटर (एमएसओ) हैं। इसके अलावा, एमएसओ/एचआईटीएस (हेडएंड-इन-द-स्काई) ऑपरेटरों द्वारा रिपोर्ट किये गये आंकड़े के मुताबिक 13 एमएसओ और 1 हिट्स ऑपरेटर ऐसे हैं जिनके पास एक मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर आधार है। इन 13 एमएसओ व 1 हिट्स ऑपरेटर के कुल सक्रिय ग्राहक आधार का विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

दिसंबर 2019 के अंत तक प्रमुख एमएसओ/एचआईटीएस का सब्सक्राइबर आधार (एक मिलियन से अधिक ग्राहक आधार)

क्र. सं	एमएसओ का नाम	कुल सक्रिय सब्सक्राइबर आधार (ऐसे सब्सक्राइबर भी शामिल हैं जो कि पिछले 90 दिनों से अधिक समय से निष्क्रिय या अस्थायी रूप से निलंबित हैं)
1.	सिटी नेटवर्क	9,211,351
2.	जीटीपीएल हेथवे	7,554,713
3.	हेथवे डिजिटल	5,256,930
4.	डेन नेटवर्क	4,175,528
5.	तमिलनाडु अरासु केबल टीवी	2,878,911
6.	केरल कम्युनिकेटर्स केबल लि. (केसीसीएल)	2,731,885
7.	फॉर्स्टवे ट्रांसमिशन प्रा.लि.	2,441,575
8.	टीसीसीएल	2,426,267
9.	इंडसइंड मीडिया एंड कम्युनिकेशन्स लि. (हिट्स)	1,940,496
10.	कल केबल	1,907,901
11.	वीके डिजिटल	1,499,548
12.	इंडसइंड मीडिया एंड कम्युनिकेशन्स लि. (सीएटीवी)	1,431,079
13.	एशियानेट डिजिटल नेटवर्क	1,328,564
14.	ई-डिजिटल	1,217,643

डॉयरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) क्षेत्र

वर्ष 2003 में अपनी शुरूआत के बाद, भारतीय डीटीएच सेवा में अभूतपूर्व बढ़ोतरी दर्ज की गयी है। 31 दिसंबर 2019 को समाप्त तिमाही के दौरान, भारत में 4 पे टीवी डीटीएच सेवा प्रदायक थे।

पे डीटीएच ने दिसंबर 2019 के अंत में लगभग 69.98 मिलियन का कुल सक्रिय उपभोक्ता आधार प्राप्त किया। यह डीडी फ्रीडिश (दूरदर्शन

in addition to the subscribers of the DD Free Dish (free DTH services of Doordarshan). The total active subscriber base has increased from 69.30 million in QE September, 2019 to 69.98 million in QE December, 2019.

It is important to note that till March 2019, the subscription figure of the total active subscribers included inactive and temporarily suspended subscribers for not more than the last 120 days. However, as per new regulatory framework of Broadcasting and Cable TV Services, the total active subscribers are now counted to include only those subscribers who are inactive/temporarily suspended for not more than the last 90 days. This point has been duly clarified by the TRAI in its Press Release No. 86/2019 dated 8th October, 2019 (https://main.trai.gov.in/sites/default/files/PR_No.86of2019.pdf).

The quarterly growth in the DTH sector in terms of the total active subscribers and the market share of DTH operators in terms of the percentage of total active subscribers during the quarter ending December 2019 are depicted in the following charts-3. ■

Chart-3: Quarterly growth in total Active subscribers (in million) of pay DTH Sector

Chart-4: Market share of DTH Operators

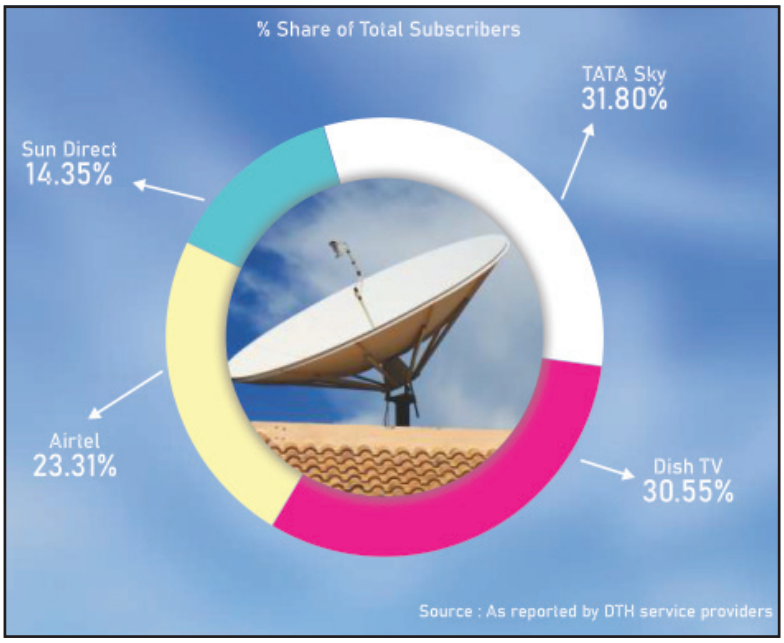

अनुसार, कुल सक्रिय ग्राहकों की गिनती केवल उन ग्राहकों के रूप में की जाती है जो कि पिछले 90 दिनों से अधिक समय से निष्क्रिय/अस्थायी रूप से निलंबित हैं। यह बात दिनांक 8 अक्टूबर 2019 को प्राधिकरण द्वारा प्रेस विज्ञप्ति संख्या 86/2019 (https://main.trai.gov.in/sites/default/files/PR_No.86of2019.pdf).में विधिवत रूप से स्पष्ट कर दी गयी थी।

दिसंबर 2019 की अंतिम तिमाही में कुल सक्रिय सब्सक्राइबर के प्रतिशत के संदर्भ में डीटीएच ऑपरेटरों की कुल सक्रिय सब्सक्राइबर आधार और बाजार हिस्सेदारी के संदर्भ में डीटीएच क्षेत्र में तिमाही वृद्धि को निम्नलिखित चार्ट-3 में दर्शाया गया है। ■

Source: ***The Indian Telecom Services Performance Indicators; October – December, 2019***